

या व्यापार करना जिससे किसी चीज या बात का उपयुक्त परिणाम या फल निकले, उसका कोई प्रभाव पड़े अथवा स्पष्ट रूप से सामने आए 15. आश्रय के रूप में रहने वाली चीज का अपने ऊपर टिकी, ठहरी या लगी हुई चीज को अपने से अलग या दूर करना 16. कर्तव्य, कार्य आदि का निर्वाह या पालन न करना।

**छोड़वाना** स.क्रि. (देश.) छोड़ने का काम दूसरे से करवाना, छोड़वाना।

**छोट** स्त्री. (देश.) छूत।

**छोतरा** पुं. (देश.) 1. छिलका 2. अफीम।

**छोना** स.क्रि. (देश.) छूना।

**छोनिप** पुं. (तद्.) क्षोणिप।

**छोनिय** स्त्री. (तद्.) क्षोणी (पृथ्वी)।

**छोनी** स्त्री. (तद्.) क्षोणी (पृथ्वी)।

**छोप** स्त्री. (देश.) 1. छोपने की क्रिया का भाव 2. छोपा हुआ अंश, छोपकर जमाई या लगाई हुई तह।

**छोपना** स.क्रि. (देश.) 1. बहुत गाढ़ी वस्तु या सानी हुई वस्तु को किसी दूसरी वस्तु पर थोपना या लगाना 2. ढकना 3. दबोचना।

**छोभ** पुं. (तद्.) क्षोभ।

**छोभन** पुं. (तद्.) क्षोभ।

**छोभना** अ.क्रि./स.क्रि. (तद्.) क्षुब्ध होना या करना।

**छोभित** वि. (तद्.) क्षोभित।

**छोम** वि. (देश.) 1. चिकना 2. कोमल।

**छोर** पुं. (देश.) किसी वस्तु के किनारे या सिरे पर का अंश, भाग या विस्तार, अंतिम सिरा पुं. छोरा।

**छोरटा** पुं. (देश.) छोरा।

**छोरना** पुं. (तद्.) 1. गाँठ आदि खोलना 2. पहने हुए वस्त्र उतारना 3. किसी की चीज बलात् लेना, छीनना।

**छोलंग** पुं. (तत्.) नींबू।

**छोलना** स.क्रि. (देश.) 1. छीलना 2. अनावश्यक और फालतू रूप से अधिक योग्यता दिखाना, छाँटना पुं. वह उपकरण जिससे कोई चीज छीली जाय।

**छोला** पुं. (देश.) 1. छोलने या छीलने का काम करने वाला व्यक्ति 2. चना।

**छोह** पुं. (तद्.) 1. प्रेम, स्नेह 2. अनुग्रह, दया।

**छोहगर** वि. (देश.) छोह या प्रेम करने वाला, प्रेमी।

**छोहना** अ.क्रि. (तद्.) 1. प्रेम या स्नेह करना 2. विचलित या क्षुब्ध होना।

**छोहर** पुं. (देश.) छोकरा, लडका।

**छोहाना** अ.क्रि. (देश.) छोहना।

**छोहारा** पुं. (देश.) छुहारा।

**छोहिनी** स्त्री. (देश.) अक्षौहिणी।

**छोही** वि. (देश.) 1. प्रेम करने वाला 2. अनुग्रह या दया करने वाला।

**छौंक** स्त्री. (देश.) 1. छौंकने की क्रिया या भाव, बघार 2. वह मसाला जिससे तरकारी, दाल आदि छौंकी जाती है, तड़का, बघार।

**छौंकन** स्त्री. (देश.) छौंक।

**छौंकना** पुं. (देश.) 1. दाल, तरकारी को सुगंधित या सौंघा करने के लिए उसमें जीरे, मिर्च, हींग आदि से मिला हुआ कड़कड़ाता घी या तेल छोड़ना, बघारना 2. शिकार को पकड़ने के लिए हिंसक जंतु का अकस्मात् उछलकर आगे बढ़ना जैसे- बकरी पर शेर का छौंकना 3. आक्रमण या वार करने के लिए अचानक उछलकर आगे बढ़ना।

**छौंक-बघार** स्त्री. (देश.) 1. दाल, तरकारी आदि छौंकने की क्रिया या भाव 2. किसी बात में उसे आकर्षक या रोचक बनाने के लिए अपनी ओर से कुछ बातें मिलाकर कहना।

**छौंड़ा** पुं. (देश.) (स्त्री. छौंड़ी) लडका, बालक।

**छौना** पुं. (देश.) 1. पशु का बच्चा जैसे- मृग-छौना 2. बच्चा, बालक।

**छौर** पुं. (देश.) क्षौर।

**छौलदारी** स्त्री. (देश.+फा.) एक प्रकार का छोटा खेमा, रावटी।

**छवाना** स.क्रि. (देश.) छलाना।